दिगंत

ई-पत्रिका :सितम्बर-अक्टूबर 2020

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:सितम्बर-अक्टूबर 2020

मुख्य संरक्षक:-परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

संरक्षक मण्डल

श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

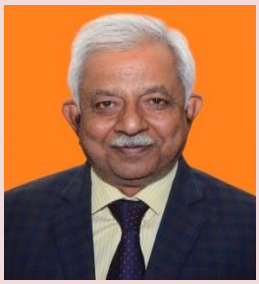

प्रधान सम्पादक:-डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य

सम्पादन समिति:-

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. शैलेश कुमार सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **डॉ. सुनील कुमार सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग
5. **डॉ. समृद्धि सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग

स्वनिर्मित सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल और हैंड सैनिटाइजर का उद्घाटन

कोरोना वायरस से लड़ने एवं उस पर विजय प्राप्त करने में गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़ी सभी संस्थाएं अपना सहयोग दे रही हैं इसी क्रम में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ नितीश शुक्ला, असिस्टेंट प्रोफेसर ,भौतिक विज्ञान विभाग के निर्देशन में बी.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र अभिषेक कुशवाहा, हरिओम सिंह और मो. कैफ द्वारा सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल और हैंड सैनिटाइजर का निर्माण किया। जिसका उद्घाटन दिनांक 02 सितम्बर को श्री प्रमथ नाथ मिश्र, सदस्य, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह जी ने भी डॉ. नितीश शुक्ल और विद्यार्थियों को बधाई दिया। डॉ. नितीश शुक्ल ने बताया कि सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल का निर्माण पी.आई.आर. सेन्सर और तर्क द्वारक परिपथ पर आधारित है जबकि हैंड सैनिटाइजर का निर्माण आई.आर. सेन्सर पर आधारित है। यह सभी नवाचार माननीय प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी जो कॉलेज के प्रबंधक भी हैं के 'आत्म निर्भर भारत अभियान' की प्रेरणा से हुआ।

इस उद्घाटन अवसर पर इंजीनियर इंद्र विनोद गुप्ता सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता सिचाई विभाग, डॉ. राम प्रसाद यादव, डॉ. राज शरण शाही, श्री पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. सुभाष चन्द्र, श्री पीयूष सिंह, श्री नवीन सिंह, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उच्च शिक्षा में क्रियान्वयन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक 7 व 8 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का उच्च शिक्षा में क्रियान्वयन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन IQAC तथा बी.एड. विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। वेबिनार के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में सर्वप्रथम प्रो. यू. पी. सिंह अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर, पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उ0प्र0 ने उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज शिक्षा को राष्ट्रीय विकास का सबल साधन मानते थे। मुख्य अतिथि प्रो. पी0के0 साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज उ0प्र0 ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन के सन्दर्भ में कहा कि उदारीकरण, निजीकरण व भूमंडलीकरण के दौर में समाज, शिक्षक तथा शिक्षार्थियों के समक्ष मानवीय मूल्य, लोकतान्त्रिक मूल्य, सामाजिक विचारधारा एवं राष्ट्र के अस्मिता को बचाये रखना एक बड़ी चुनौती है, इस हेतु अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं मानवीय मूल्य को अक्षुण्ण बनाये रखना होगा। सतत् विकास हेतु सजग रहना होगा तथा आगे आने वाले पीढ़ी हेतु सोचना होगा। इस हेतु पर्यावरण अनुकूल शिक्षा, शांति–आन्दोलन, हरित शांति आन्दोलन को पाठ्यक्रम में लागू करते हुए समग्र शिक्षा उपागम हेतु विद्यार्थियों को तैयार करना होगा। प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश वि0वि0 छपरा, बिहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा एवम् अध्यापक शिक्षा की जिस संरचना की कल्पना की गई है, वास्तव में उस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

वेबिनार के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. टी.एन. सिंह, कुलपति महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने कहा कि प्राचीन भारतीय गुरू–शिष्य परंपरा को पुनः स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संकल्पित है। जो शिक्षा मात्र कक्षा–कक्ष तक सीमित है, उसे समाज से जोड़ने की आवश्यकता है। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. धनंजय यादव, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज उ.प्र. ने उपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने की संकल्पना पर आधारित है। इस हेतु जीवन कौशलों को सीखने की महती आवश्यकता है। वेबिनार के दोनों सत्रों का संचालन प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

शिक्षा नीति गतिशील होनी चाहिए-प्रो. जे.एस. राजपूत

महाविद्यालय द्वारा आयोजित '**राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का उच्च शिक्षा में क्रियान्वयन**' विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय वेबिनार के तृतीय सत्र में विशिष्ट वक्ता पद्म श्री प्रो. जे.एस. राजपूत पूर्व निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों में अध्ययन, मनन, चिन्तन और उसके उपयोग करने की प्रवृत्ति के साथ ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' के भाव को विकसित करना होगा।

चतुर्थ सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा प्रो. मजहर आसिफ, सदस्य, मसौदा समिति–राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, जे.एन.यू, दिल्ली उपस्थित रहे। प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह नई शिक्षा नीति 'मनुज से मानवता' तथा 'अतीत से आधुनिकता' की ओर ले जाने वाली है। यह छात्र केन्द्रित शिक्षा नीति है जो विद्यार्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास को केन्द्र मे रख कर बनायी गयी है। चतुर्थ सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. मजहर आसिफ ने बताया कि यह नई शिक्षा नीति हमारी संस्कृति पर आधारित है।

वेबिनार के समापन/ पंचम सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. रमा शंकर दूबे कुलपति, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात थे। अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रो. दूबे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को पूरे देश की, जनता की शिक्षा नीति कहा, जिसमें राष्ट्रीयता की स्पष्ट झलक समाहित है। समापन सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. मिलिन्द मराठे, के.जे.सोमैया. इंजीनियरिग कालेज, मुंबई, महाराष्ट्र, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को सर्व–समावेशी, समतामूलक, विद्यार्थी केन्द्रित तथा भारतीय आत्मा से युक्त भविष्य उन्मुखी नीति के रूप में सदंर्भित करते हुए, विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों के प्रति सजग बनाने की बात कही।

कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता, मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता का स्वागत क्रमशः वेबिनार के संयोजक डॉ. राज शरण शाही, डॉ. शुभ्रा श्रीवास्तव तथा डॉ. अमरनाथ तिवारी के द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. अर्चना सिंह के द्वारा किया गया। सम्पूर्ण वेबिनार की रिर्पोट डॉ. शुभ्रा श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ. सुभाष चन्द्र के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सम्पूर्ण अध्यक्षता तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

(हिन्दी दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम)

हिन्दी भाषा विचारों और भावनाओं के प्रवाह हेतु सर्वोपयुक्त-डॉ.-फूलचन्द प्रसाद गुप्त

दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर - 'हिन्दी दिवस'

14 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय , गोरखपुर में गोरखनाथ साहित्य केन्द्र के तत्वावधान में हिन्दी दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन हुआ। हिन्दी भाषा सबके लिए सुलभ और सुगम है, हिन्दी भाषा आन्तरिक अभिव्यक्ति के लिए सर्वोपरि है। इस बात का प्रमाण हिन्दी सिनेमा की भारी मांग और लगभग सभी प्रचार के हिन्दी में प्रसारण द्वारा स्पष्ट होता है। व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त प्रवक्ता हिन्दी, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर थे। मुख्य अतिथि का स्वागत परिचय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

बिना किसी जलवायु परिवर्तन के ही पृथ्वी का जीवन नष्ट हो जायेगा- प्रो. डी. के. सिंह

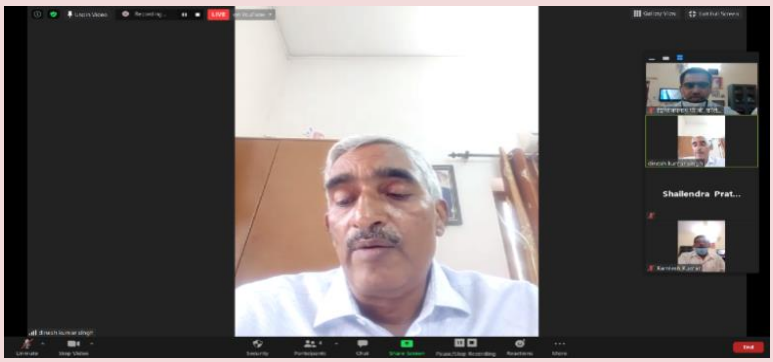

ओजोन दिवस के अवसर पर आज दिनांक 16 सितंबर 2020 को महाविद्यालय के द्वारा ऑनलाइन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. डी. के. सिंह, जीव विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष थे। मुख्य वक्ता ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान में यदि ओजोन क्षरण करने वाली क्लोरो फ्लोरो, कार्बन आदि गैसों का उत्सर्जन नहीं रोका गया तो बिना किसी जलवायु परिवर्तन के ही पृथ्वी का जीवन नष्ट हो जाएगा, इसलिए ओजोन परत को बचाया जाना चाहिए। इस कोरोना काल में मनुष्य तो परेशान हुआ है किंतु प्रकृति ने अपने ओजोन परत को निश्चित रूप से एक व्यवस्थित रूप दिया है। ओजोन क्षरण को बचाए रखने के लिए ऐसे उत्पादों का प्रयोग कम करना होगा जिससे क्लोरो–फ्लोरो कार्बन का उत्सर्जन होता है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान एवं भूगोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें 140 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया उत्तीर्ण प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र भी प्रदान किया गया।

महाविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को सहयोग

दिनाँक 26.09.2020 को महाविद्यालय के पूर्वी परिसर में स्थित गोरखनाथ साहित्य केंद्र में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की कार्य योजना बैठक शासन द्वारा कोविड–19 के संबंध में जारी दिशा–निर्देशों का पूर्णता से पालन करते हुए संपन्न हुई। उक्त बैठक में सभी सदस्यों के मत से प्राचार्य द्वारा यह निर्णय लिया गया कि वह विद्यार्थी जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और मोबाइल सेट के अभाव में महाविद्यालय की ऑनलाइन कक्षाओं से नहीं जुड़ पा रहे हैं उन्हें तकनीकी उपकरण से युक्त बनाने हेतु महाविद्यालय मोबाइल फोन की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इस बैठक में गोरखपुर नगर–निगम के मेयर सीताराम जायसवाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह, आइ.क्यू.ए.सी के समन्वयक डॉ. राज शरण शाही, नैक कोऑर्डिनेटर डॉ. शशिप्रभा सिंह सहित आइ.क्यू.ए.सी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 02.10.2020 को महाविद्यालय में गांधी जयंती के अवसर पर शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की गई। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में गांधी जयंती के अवसर पर डिजिटल माध्यम से ''गांधी का शैक्षिक दर्शन एवं नई शिक्षा नीति 2020 विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य वक्ता डॉ. दिग्विजय नाथ पाण्डेय एसोसिएट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग, एच.आर.पी.जी कॉलेज खलीलाबाद थे। इस

अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के बारे में गांधी जी का दृष्टिकोण वस्तुतः व्यवसायपरक था। वह बुनियादी शिक्षा तालीम के पक्षधर थे। नई शिक्षा नीति–2020 उन्हीं के विचार दर्शन से प्रभावित आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करती है। नई शिक्षा नीति नए भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण का पथ प्रदर्शन करने वाली है।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने की तथा आभार ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा महर्षि वाल्मिकी जी की जयंती

दिनांक 31.10.2020 को महाविद्यालय में स्थापित **गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्तवावधान में क्रमशः लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा महर्षि वाल्मिकी के जयंती** के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के **प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने कहा कि सरदार पटेल सही अर्थों में भारत की अखण्डता, राष्ट्रीय एकता तथा राष्ट्रवाद के नायक थे जिन्होंने अपने राजनीतिक सूझ–बूझ और कौशल के बल पर भारतीय एकता की मिसाल कायम की। **हिन्दी विभाग के उपाचार्य डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव** ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी ने सबसे पहले भारतीय साहित्य में छन्द का उपयोग किया तथा इन्होंने संस्कृत में रामायण की रचना कर स्वयं को आदिकवि के साथ–साथ एक कालजयी रचनाकार के रूप में स्थापित किया।

इस अवसर पर **राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से एक निबन्ध प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन** हुआ। जिसका प्रमुख विषय था **"आदि कवि महर्षि वाल्मिकी"**, तथा "**भारत का वर्तमान स्वरूप एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल"।** "**आदि कवि महर्षि वाल्मिकी" निबन्ध प्रतियोगिता** में क्रमशः काजल यादव, बी. ए. द्वितीय वर्ष, शाम्भवी पाण्डेय बी. एससी. द्वितीय वर्ष एवं स्नेहा मिश्रा बी. ए. द्वितीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। "**लौह पुरूष सरदार पटेल" निबन्ध प्रतियोगिता** में शाम्भवी पाण्डेय बी. एससी. द्वितीय वर्ष, स्नेहा मिश्रा बी. ए. द्वितीय वर्ष, काजल यादव, बी. ए. द्वितीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।